पाकिस्तान द्वारा सीमा पर कवच कोठरियों (पिल बाक्स) का निर्माण

*734. श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री शारदा नन्द :
श्री जि० ब० सिंह :

क्या रक्षा मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पाकिस्तान ने पुल कसूर के नाले के साथ-साथ वैसी कवच कोठरियां (पिल बाक्स) बनाई हैं, जैसी उसने इच्छोगिल नहर के साथ-साथ बनाई थीं; और

(ख) यदि हां, तो सरकार की उस पर क्या प्रतिक्रिया है ?

प्रतिरक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री ब० रा० भगत): (क) सरकार को इस बात का ज्ञान है कि पाकिस्तान हमारी सीमाओं के उस पार सैनिक कार्यों का निर्माण कर रहा है, और पिल बाक्स बना रहा है।

(ख) इन सभी अभिवृद्धियों को अपनी रक्षा आयोजनाओं में ध्यान रखा जाता है।

Management of Ordnance Factories

*735. **Shri Hem Raj:** Will the Minister of Defence be pleased to state:

(a) the number of Ordnance Factories and units which are headed by experienced technical military personnel and the number of such factories headed by civil servants; and

(b) whether it is proposed to place all the factories under the charge of experienced technical military personnel and if not, the reasons therefor?

The Minister of State in the Ministry of Defence (Shri B. R. Bhagat): (a) All the ordnance factories under the Ministry of Defence are headed by technically trained civilians.

(b) No, Sir. There is no such proposal under examination as there is already a regular service known as the Indian Ordnance Factories Service for manning the various posts in Ordnance Factories.

काठमांडू-कोडारी सड़क

*736. श्री हु० राम :
श्री रामावतार शर्मा :
श्री शिव कुमार शास्त्री :
श्री रघुवीर सिंह शास्त्री :
श्री अर्जुन सिंह भदौरिया :
श्री नरदेव स्नातक :
श्री आत्म दास :
डा० सूर्य प्रकाश पुरी :
श्री यज्ञ दत्त शर्मा :
श्री श्रीचन्द गोयल :

क्या वैदेशिक-कार्य मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान इस आशय के समाचार की ओर दिलाया गया है कि भारतीय लोगों को चीन द्वारा बनाई गई काठमांडू-कोडारी सड़क का प्रयोग करने से मना कर दिया गया है;

(ख) क्या यह सच है कि पाकिस्तान के अधिकारियों को इस प्रकार उस सड़क का प्रयोग करने से मना नहीं किया गया; और

(ग) यदि हां, तो इस मामले में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

प्रतिरक्षा मंत्री (श्री स्वर्ण सिंह) : (क) से (ग). उस समय जो सूचना सुलभ थी, उसके आधार पर 13 जून, 1967 को राज्य सभा में ऐसे ही एक सवाल के जवाब में यह स्पष्ट किया गया था कि भारतीयों को नेपाल में चीनियों द्वारा निर्मित काठमांडू—कोडारी सड़क पर मुक्त रूप से आने-जाने दिया जाता था। तब यह बताया गया था कि नेपाल सरकार ने वह सड़क आम जनता के लिए 2 जून, 1967 को खोली थी और तब से ही भारतीय लोग कोई परमिट लिए बगैर मुक्त रूप से आ-जा सकते थे और भारतीयों